जाधव की सजा की समीक्षा करना चाहता है पाकिस्तानी पैनल

नैशनल असेंबली की कानून और न्याय मामलों की स्थायी समिति ने बहुमत से लिया फैसला

डर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का संसदीय पैनल जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव के मौत की सजा की समीक्षा करना चाहता है। नैशनल असेंबली की कानून और न्याय मामलों की स्थायी समघिति ने जाधव के फांसी दिए जाने के फैसले की समीक्षा करने का फैसला किया है। समिति के 8 सदस्यों ने इस फैसले की समीक्षा करने का समर्थन किया। माना जा रहा है कि इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के डर से पाकिस्तानी समिति ने यह फैसला किया है।

पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने कुलभूषण जाधव को मौत की सजा सुनाई। इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने पाकिस्ध्तान को इस फैसले के समीक्षा करने के लिए कहा है। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी समिति ने इसी दबाव में फैसले की समीक्षा करने का फैसला किया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में इस संबंध में दरवाजा खटखटाया था। अगर पाकिस्तानी पैनल इस फैसले की समीक्षा करता है तो दोनों देशों के बीच रिश्ते को सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

बता दें कि पाकिस्तानी अदालत में कैद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव का केस लड़ने से पाकिस्तानी वकीलों ने साफ इनकार कर दिया है। इन वकीलों को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जाधव की तरफ से केस लड़ने के लिए चुना था। पाकिस्तानी सरकार पहले ही उनकी तरफ से पैरवी करने के लिए भारतीय वकीलों को शामिल करने से मना कर चुकी है।

वकीलों ने केस लड़ने से किया इनकारः इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने पाकिस्तान के दो सबसे वरिष्ठ वकीलों आबिद हसन मिंटो और मखदूम अली खान से सहायता मांगी थी। दोनों ने खेद व्यक्त करते हुए कुलभूषण जाधव की ओर से कोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय को अपने फैसले के बारे में सूचित किया है। आबिद हसन मिंटो ने कहा कि वह सेवानिवृत्त हो गए हैं और अब वकालत नहीं करेंगे। वहीं, मखदूम अली खान ने अपनी व्यस्तताओं का हवाला दिया है।

क्वीन काउंसलर देने से पाक का इनकारः पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव के मामले में कोई भारतीय वकील या क्वींस कांउसल नियुक्त किए जाने की भारत की मांग को पहले ही खारिज कर चुका है। पाकिस्तान ने कहा था कि हमने भारत को सूचित किया है कि केवल उन वकीलों को पाकिस्तानी अदालतों में उपस्थित होने की अनुमति है जिनके पास पाकिस्तान में वकालत करने का लाइसेंस है।

इस परिस्थिति में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। क्वींस काउंसल एक ऐसा बैरिस्टर या अधिवक्ता होता है, जिसे लॉर्ड चांसलर की सिफारिश पर ब्रिटिश महारानी के लिये नियुक्त किया जाता है।

आईसीजे के निर्देश पर पाकिस्तान लाया अध्यादेश

पहले पाकिस्तान की संसद ने उस अध्यादेश को चार महीने के लिए विस्तार दे दिया जिसके तहत जाधव को हाई कोर्ट में अपील करने का मौका मिला है। इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने आदेश पर पाकिस्तान यह अध्यादेश लाया था। जाधव तक राजनयिक पहुंच देने से मना किए जाने पर भारत ने 2017 में पाकिस्तान के खिलाफ आईसीजे का रुख किया था और एक सैन्य अदालत द्वारा उन्हें जासूसी और आतंकवाद के आरोप में अप्रैल 2017 में सुनाई गई मौत की सजा को चुनौती दी थी।

न्यूज डायरी

चीन के बैंक में खाता रखने पर घिरे डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार में लगातार चीन पर हमले कर रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपने चीन कनेक्शन को लेकर खुद ही घिर गए हैं। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा किया है कि पेशे से बिजनसमैन डोनाल्ड ट्रंप का एक चीनी खाता है और उन्होंने चीन में कई बिजनस प्रॉजेक्ट पर वर्षों काम किया है। इस चीनी खाते का नियंत्रण ट्रंप इंटरनैशनल होटेल्स मैनेजमेंट के पास है। ट्रंप इंटरनैशनल होटेल्स मैनेजमेंट ने वर्ष 2013–15 के बीच में कई स्थानीय टैक्स भी दिए हैं। इस खुलासे के बाद ट्रंप के एक प्रवक्ता ने कहा है कि इस खाते को एशिया में होटल डील की संभावना तलाशने के लिए खोला गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने यह खुलासा ट्रंप के टैक्स रेकॉर्ड को हासिल करने के बाद किया है। इसमें ट्रंप के निजी और उनकी कंपनी के वित्तीय डिटेल शामिल हैं।

नए अंगों की खोज कर बैठे वैज्ञानिक, मिलेगी कैंसर के इलाज में मदद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ऐम्सटर्डैम। नीदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने इत्तेफाक से इंसानों के गले में एक नया अंग खोज निकाला है। ये वैज्ञानिक प्रोस्टेट कैंसर पर रिसर्च कर रहे थे जब उन्हें यह अंग मिला। नीदरलैंड्स के कैंसर इंस्टिट्यूट के रिसर्चर्स को गले के ऊपरी हिस्से में दो लार ग्रंथियां मिले हैं जिन्हें ट्यूबेरियल सलाइवरी ग्लैंड नाम दिया गया है। रेडियोथेरपी ऐंड ऑन्कॉलजी जर्नल में छपी स्टडी में रिसर्चर्स ने पुष्टि की है कि करीब 100 मरीजों पर स्टडी में ये ग्लैंड पाए गए हैं। माना जा रहा है कि इस खोज से कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। अभी तक माना जाता था कि नाक के पीछे के इस हिस्से में कुछ नहीं होता है। वहीं, तीन सलाइवरी ग्लैंड भी जीभ के नीचे, जबड़े के नीचे और जबड़े के पीछे होते हैं, यही माना जाता था। स्टडी में दावा किया गया है कि ये ग्लैंड 1.5 इंच के हो हैं और ये टोरस ट्यूबेरियस नाम के कार्टिलेज के एक हिस्से के ऊपर हैं। रिसर्चर्स का कहना है कि शायद इनका काम नाक और मुंह के पीछे गले के ऊपरी हिस्से को ल्यूब्रिकेट करना होगा।

मोहम्मद अली जिन्ना की करनी की सजा अभी भी भुगत रहा पाकिस्तान!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने वर्ष 1947 में भारतीय मुसलमानों के लिए एक अलग देश पाकिस्तान की सफलता हासिल की। जिन्ना ने ऐलान किया था कि पाकिस्तान एक धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक देश बनेगा। अपने पहले भाषण में जिन्ना ने कहा था कि पाकिस्तान में हर व्यक्ति मंदिर और मस्जिद जाने के लिए स्वतंत्र होगा। जिन्ना के ये दोनों ही वादे खोखले साबित हुए और धर्मनिरपेक्ष पाकिस्तान अब इस्लामिक गणराज्य बन गया है। यही नहीं जिन्ना का पाकिस्तान को आदर्श लोकतंत्र बनाने का सपना भी सेना के जनरलों के जूतों की नोक के आगे दम तोड़ रहा है। पाकिस्ध्तान में अब तक तीन सैन्य तख्तापलट हो चुके हैं। एक आर्मी चीफ ने तो संविधान को ही पूरी तरह से बदल डाला। इसके अलावा समय–समय पर कई बार छोटे–छोटे विद्रोह होते रहे हैं।

शरीफ को वापस भेजने के लिये पाकिस्तान ने ब्रिटेन से तीसरी बार गुहार लगाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद पाकिस्तान ने ब्रिटेन से तीसरी बार पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को वापस भेजने का अनुरोध किया है। शरीफ भ्रष्टाचार के मामलों में जेल में बंद थे और इलाज कराने के लिये ब्रिटेन गए हुए हैं। बृहस्पतिवार को मीडिया में आईं खबरों में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज के प्रमुख शरीफ को 2017 में भ्रष्टाचार के मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। समाचार पत्र श्डॉनश की खबर के अनुसार तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ के प्रत्यर्पण के अनुरोध से संबंधित एक पत्र करीब तीन सप्ताह पहले यहां ब्रिटेन के उच्चायुक्त को सौंपा गया था। शरीफ पिछले साल नवंबर से इलाज के लिये लंदन में हैं।

अजरबैजान–आर्मीनिया की जंग में तुर्की के आने से बढ़ा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बाकू। आर्मीनिया और अजरबैजान की जंग में अब तक अप्रत्यक्ष रूप से शामिल तुर्की अब खुलकर अजरबैजान के समर्थन में आता दिख रहा है। मध्ध्य एशिया में खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्की ने अब ऐलान किया है कि अगर अजरबैजान की ओर से अनुरोध आया तो वह अपनी सेना को भेजने के लिए तैयार है।

सुपरपावर रूस के पड़ोसी देशों आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो–काराबाख इलाके पर कब्ध्जे के लिए जंग चल रही है और अगर तुर्की इसमें शामिल होता है तो तीसरे विश्ध्व युद्ध का खतरा पैदा हो जाएगा। तुर्की के उपराष्ट्रपति फौत ओकताय ने कहा है कि अगर अजरबैजान की ओर से सेना भेजने का अनुरोध आता है तो तुर्की अपने सैनिकों और सैन्य सहायता को देने से हिचकेगा नहीं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक इस तरह का कोई अनुरोध अजरबैजान की ओर से नहीं आया है। तुर्की ने अजरबैजान को अपना पूरा समर्थन देते हुए आरोप लगाया कि आर्मीनिया बाकू की जमीन पर कब्जा कर रहा है। तुर्की के उपराष्ट्रपति ने फ्रांस, रूस और अमेरिका के नेतृत्व वाले गुट की आलोचना की और कहा कि यह समूह नहीं चाहता है कि नागोर्नो–काराबाख का विवाद खत्म हो।

शीर्ष वैज्ञानिक की चेतावनी, कभी खत्म नहीं होगा वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर ब्रिटेन के शीर्ष वैज्ञानिक सलाहकार के दावे से लोगों की चिंता बढ़ गई है। महामारी के लिए गठित ब्रिटिश सरकार की सलाहकार समिति के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कहा कि कोरोना वायरस को कभी भी खत्म नहीं किया जा सकेगा। यह लोगों के बीच हमेशा बना रहेगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, एक वैक्सीन वर्तमान स्थिति को थोड़ा बेहतर बनाने में मदद जरूर करेगी। ब्रिटिश सरकार की साइंटिफिक एडवाइजरी ग्रुप ऑफ इमरजेंसी के एक सदस्य जॉन एडमंड्स ने सांसदों को बताया कि हम हमेशा के लिए इस वायरस के साथ रहने वाले हैं। इस बात की बहुत कम संभावना है कि इसका उन्मूलन होने जा रहा है।

ताइवान से व्यापार समझौते पर भड़का चीन का ग्लोबल टाइम्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। भारत और ताइवान में व्यापार समझौते को लेकर बातचीत की अटकलों के बीच चीन का सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स बुरी तरह से भड़क उठा है। ग्लोबल टाइम्स ने धमकी दी है कि भारत के राजनेता ताइवान कार्ड खेलने से परहेज करें नहीं तो भारत को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही नहीं ग्लोबल टाइम्स को लद्दाख में एलएसी पर भारत के पलटवार और चीनी ऐप को बैन करने से भी मिर्ची लगी है।

ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में लिखा, सीमा, आर्थिक और व्यापरिक मोर्चे पर कई महीने

भारत के नेताओं को दी धमकी

से उकसावे की कार्रवाई के बाद भारत ने हाल ही में संकेत दिया है कि वह ताइवान कार्ड पर और ज्यादा खतरा उठाने जा रहा है। भारत ताइवान के साथ व्यापारिक वार्ता करने जा रहा है। चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि ताइवान कार्ड से चीन के लक्ष्मण रेखा को चुनौती मिलेगी और भारत को यह ज्ञान होना चाहिए कि इसके गंभीर परिणाम होंगे।

WTO के चीनी विशेषज्ञ हूओ जियांगउओ ने कहा कि नियमों के मुताबिक भारत ताइवान के साथ अलग से कोई समझौता नहीं कर सकता है। लेकिन भारत के नेता विद्वेषपूर्ण इरादे से चीन से और ज्यादा दुश्मनी मोल लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत इसके जरिए चीन पर दबाव डालकर सीमा पर लाभ उठाने का प्रयास कर रहा है। इसी वजह से अमेरिका के साथ सैन्य ड्रिल करने जा रहा है। चीनी विशेषज्ञ ने कहा कि ताइवान कार्ड खेलने और चीन के मुख्य हितों को अनदेखा करने से भारत को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा।

इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने औपचारिक बातचीत शुरू होने से पहले ही भारत को धमकी दी थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने ताइवान के साथ भारत की ट्रेड डील पर कहा कि दुनिया में केवल एक ही चीन है और ताइवान चीन का अभिन्न हिस्सा है। वन चाइना थ्योरी को भारत समेत दुनिया के सभी देशों ने माना है।

अंतरिक्ष स्टेशन में समय बिताने वाले तीनों अंतरिक्ष यात्री धरती पर सुरक्षित लौटे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने के अभियान के बाद तीन अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को सुरक्षित धरती पर लौट आए । नासा के तीनों खगोल यात्रियों कृ अमेरिका के क्रिस केसिडी रूस के अनातोली इवानिशीन तथा इवान वेगनर को लेकर आ रहा सोयूज कैप्सूल कजाखस्तान के देजकाजगन शहर के दक्षिण पूर्व में बृहस्पतिवार की सुबह सात बजकर 54 मिनट पर उतरा । चिकित्सा जांच के बाद तीनों को हेलीकॉप्टर से देजकाजगन लाया जायेगा जहां वह अपने घर के लिये उड़ान भरेंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण अतिरिक्त सावधानी को ध्यान में रखते हुये रूसी बचाव दल की टीम के साथ जब उनकी (अंतरिक्ष यात्रियों) मुलाकात हुयी तो उससे पूर्व उनकी कोरोना वायरस जांच की गयी । राहत प्रयासों में शामिल लोगों की संख्या सीमित थी। केसिडी, इवानिशीन एवं वेगनर अप्रैल से ही अंतरिक्ष स्टेशन में रह रहे थे । नासा के केट रूबिंस, रूस के सर्गेई रेजिकोव तथा सर्गेई कुद–सेवरेचकोव एक सप्ताह पहले छह महीने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच चुके हैं।